साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।
मूल्य- 02 रूपये

संकट की घड़ी में सरकार आपके साथ है: सीएम

28 हजार से अधिक प्रभावितों को 30 करोड़ की राहत राशि सिंगल क्लिक से की अंतरित

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार संकट की घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से प्रदेश के 28 हजार से अधिक बाढ़ प्रभावितों को 30 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण कर प्रभावितों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की। उन्होंने प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी ली। शिवपुरी के श्री भागचंद, मऊगंज के श्री राधेश्याम साकेत, दमोह के श्री हेमराज, रायसेन के श्री गोविंद सिंह सेन, छिंदवाड़ा के श्री चंद्रमोहन सहित गुना और अन्य जिले के बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि इस वर्षाकाल में जैसी बाढ़ आयी, वैसी पहले कभी नहीं आयी थी। प्रशासन के द्वारा बाढ़ के दौरान हम प्रभावित परिवारों को कैम्प लगाकर रहने की व्यवस्था के साथ भोजन आदि की व्यवस्था भी की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारे संस्कार ही हैं कि कष्ट की इस घड़ी में भी ग्रामीणजन अपनी बात विनम्रता के साथ कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मानसून काल में अब तक 37 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है, जिससे प्रदेश के कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी। उन्होंने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर प्रभावितों से मुलाकात की और स्थिति का जायजा लिया।

सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने वर्षाकाल में बाढ़ से निपटने के पहले से इंतजाम कर रखे थे। राज्य के मंत्रीगण और केन्द्रीय मंत्रीगण सभी से सम्पर्क बनाकर प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के प्रबंधन की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ के संकट से निपटने के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सेना के जवानों की जहां आवश्यकता पड़ी, वहां सक्रिय किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावितों को मदद करने में सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने इन संगठनों के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान मिले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि शिवपुरी में दो व्यक्ति बाढ़ में 36 घंटे घिरे रहे और उन्हें प्रशासन ने बाढ़ से बाहर निकाला। इन व्यक्तियों का कहना था कि वे प्रशासन के प्रयासों से ही से बाढ़ से बाहर निकल सकें। इसी प्रकार गुना में बाढ़ प्रभावित महिलाओं से मिलने के दौरान सबसे पहले बहनों ने उन्हें राखी भेंट की। इसके बाद उन्होंने बाढ़ की बात कही। उन्होंने कहा कि बहनों ने अपने कष्ट की बात कहने से पहले राखी भेंट की, यह हमारी संस्कृति है।

अतिवृष्टि और बाढ़ के दृष्टिगत हमें रहना है सावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षा ऋतु अभी समाप्त नहीं हुई है। हमें अतिवृष्टि और बाढ़ के दृष्टिगत सावधान रहना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को 28 करोड़ रूपए की राशि पहले दी जा चुकी है, 30 करोड़ की राशि आज दी गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि फसल की क्षति को छोड़कर है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का सर्वे किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए सभी जिलों को पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई गई है। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव राजस्व श्री विवेक पोरवाल इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उपस्थित थे।

बाढ़ की स्थिति में सहायता के लिए टोल फ्री नं-1079 पर सम्पर्क करें

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब तक 729.1 एमएम वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य से 37 प्रतिशत ज्यादा है, जो बहुत कम समय में तेजी से हुई। गुना, निवाड़ी, टीकमगढ़, मंडला एवं अशोकनगर में सर्वाधिक वर्षा दर्ज हुई। इस मानसून में अभी तक कुल 296 जनहानि तथा लगभग 1685 पशुहानि हुई है। साथ ही 299 मकानों पूर्ण रूप से क्षति होने की सूचना प्राप्त हुई है। लगभग 4114 मकानों में आंशिक क्षति भी हुई है। प्रदेश में अब तक 61 राहत कैम्प चलाये गये है, जिनमें 7345 लोगों को रखा गया। वर्तमान में मऊगंज में 02 राहत शिविर चालू है, जिसमें 175 लोग रह रहे हैं। प्रदेश में ज्यादातर सिंचाई डेम अभी 40 से 90 प्रतिशत के आस-पास भरे हैं एवं 04 डेम 100 प्रतिशत भरे हैं। साथ ही शासन द्वारा जनसामान्य को बाढ़ की स्थिति में 24ङ्7 सहायता प्रदान की जाने के लिये टोल फ्री नं-1079 की व्यवस्था की गई है।

आज रात्रि में प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. श्री मोहन यादव जी से जनहित के विषयों को लेकर व्यापक चर्चा हुई जिसमें अफलन के कारण किसानों को हुई क्षति के बारे में मैंने उन्हें जानकारी दी।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

भोपाल में 600 पेशियां आगे बढ़ाई

तीसरे दिन भी काम पर नहीं तहसीलदार-नायब तहसीलदार; आम लोगों के काम पर असर

न्यूज क्राइम फाइल

न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन से नाराज राजस्व अधिकारी लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी काम नहीं कर रहे हैं। इससे अकेले भोपाल में ही 600 से ज्यादा कोर्ट केस की पेशियां आगे बढ़ाई गई हैं। अगले 2 दिन सरकारी छुट्‌?टी है। इस वजह से आम लोगों के काम पर ज्यादा असर पड़ेगा। नई व्यवस्था को भोपाल के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार 6 अगस्त से विरोध कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने अपनी गाड़ियों की चॉबी कलेक्टोरेट में जमा कर दी थी। वे ऑफिसों में तो बैठ रहे, लेकिन काम नहीं कर रहे। इस वजह से कोर्ट केस की पेशियां आगे बढ़ाई जा रही हैं।

जनता से जुड़े 500 मामले आते हैं हर रोज

जानकारी के अनुसार, नामांतरण, सीमांकन, फौती ? नामांतरण, मूल निवासी, जाति प्रमाण ? पत्र, आय प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस ?सहित करीब 500 से अधिक मामले ? आते हैं। इसके अलावा हर दिन करीब तीन सौ प्रकरणों में तहसीलदार, ? नायब तहसीलदार सुनवाई करते हैं। ? इस वजह से दो दिन में ही 600 से ज्यादा केस की पेशियां आगे बढ़ा दी गई है। तीसरे दिन शुक्रवार को भी 300 पेशियां आगे बढ़ेगी। ऐसे में आंकड़ा 900 तक पहुंच सकता है।

फिल्ड और ऑफिस के काम में विभाजित किए गए

भोपाल में बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर तहसीलें हैं। इनके तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया गया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फिल्ड में नहीं है। वहीं, फिल्ड वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे। इस व्यवस्था का वे भी विरोध कर रहे हैं।

मंत्री-अफसरों को सुना चुके समस्या

इस संबंध में मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ राजस्व मंत्री वर्मा और सीनियर अधिकारियों के सामने अपनी बात रख चुका है। इस दौरान बताया गया था कि अगले 3 महीने के लिए 12 जिलों में ही पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह व्यवस्था लागू की जाएगी, लेकिन बाद में 9 और जिलों में यह व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके चलते संघ के सभी जिला अध्यक्ष, प्रभारी और प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसमें 6 अगस्त से विरोध करने का फिर से निर्णय लिया गया। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीनचंद कुंभकार ने बताया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के कई जिलों में राजस्व अधिकारी विरोध कर रहे हैं। भोपाल में भी असर देखने को मिल रहा है।

अभी हड़ताल पर नहीं जाएंगे

विभाजन को लेकर संघ की बैठक हो चुकी है। इसमें संवर्ग में विभाजन की इस योजना के पूर्ण रूप से वापस नहीं होने तक सभी राजस्व अधिकारी आपदा प्रबंधन कार्यों को छोड़कर समस्त कार्यों से विरत रहते हुए जिला मुख्यालयों पर उपस्थित रहने का निर्णय लिया गया। हालांकि, कोई भी सामूहिक अवकाश या हड़ताल पर नहीं है। सभी राजस्व अधिकारी जिला मुख्यालय पर ही उपस्थित हैं।

भोपाल में पति से अलग रह रही महिला से रेप

न्यूज क्राइम फाइल

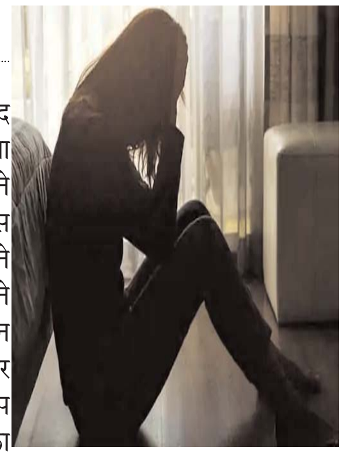

भोपाल में पति से विवाद के बाद अलग रह रही महिला से ज्यादती का मामला सामने आया है। वारदात को आर्डिनेंस फैक्ट्री के एक कर्मचारी ने अंजाम दिया है। आरोपी ने पहली बार दोस्त के जन्मदिन की पार्टी का बहाना बनाकर महिला से एक फ्लैट में रेप किया था। इसके बाद शादी का झांसा देकर करीब एक साल तक रेप करता रहा। कोलार पुलिस ने रेप की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक कमलानगर क्षेत्र में रहने वाली 30 साल की महिला हाउस कीपिंग का काम करती है। आपसी अनबन के चलते वह पति से अलग रहती है और उनका भरण-पोषण का मामला कोर्ट में चल रहा है। महिला के पड़ोस में रहने वाली एक अन्य महिला के घर उसके भतीजे रवि गज्जाम का आना-जाना था। रवि आर्डिनेंस फैक्ट्री में काम करता है। महिला से उसकी जान-पहचान हो गई। दोनों में दोस्ती हुई और घनिष्ठता बढ़ गई।

मदद के बहाने बढ़ाई नजदीकी

रवि हमदर्दी दिखाकर महिला की छोटी-मोटी मदद करने लगा। इस बीच अगस्त 2024 में आरोपी ने व्ही मार्ट के पास कोलार के एक फ्लैट में दोस्त की जन्मदिन की पार्टी का बहाना बनाकर महिला को बुला लिया। लेकिन वहां कोई नहीं था। इस दौरान आरोपी रवि ने जबरन महिला से शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर उसने जल्द ही शादी करने का प्रलोभन दिया। इसके बाद से आरोपी लगातार महिला का शारीरिक शोषण करता रहा।

गर्भवती होने पर रिश्ता तोड़ा

पुलिस ने बताया कि घटना के कुछ माह बाद महिला को पांच माह का गर्भ होने की जानकारी डॉक्टर से मिली। पेट में गठान की समस्या के कारण महिला को गर्भ ठहरने की जानकारी बहुत देर से हुई। उसने रवि को बताया। मां से मिलाने के बहाने आरोपी ने उसे इटारसी बुला लिया। लेकिन आरोपी ने मां से न मिलाकर महिला को एक होटल में रखा और वहां भी उससे संबंध बनाए। बाद में उसने शादी करने से इनकार कर दिया।

सौजन्य भेंट

पूर्व मंत्री एवं रहली विधायक गोपाल भार्गव के भोपाल स्थित निवास पर मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री श्री हितानंद जी का आत्मीय स्वागत किया गया और उनके साथ विभिन्न सांगठनिक विषयों पर चर्चा की।

सिंधिया ने थामा दिग्विजय का हाथ, मंच पर लेकर गए

न्यूज क्राइम फाइल

राजधानी में शुक्रवार को एक निजी स्कूल के शुभारंभ के मौके पर दो दिग्गज राजनीतिज्ञों केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की मुलाकात राजनीतिक गलियारे में चर्चा में रही। इस स्कूल के शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंधिया थे। कार्यक्रम में सिंधिया पहुंचे तो दिग्विजय सिंह मंच से नीचे बैठे थे और तब राजनीतिक गिले शिकवे को दरकिनार करते हुए सिंधिया खुद मंच से नीचे आए और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय को लेकर मंच पर गए। सिंधिया की इस पहल का वीडियो अब वायरल हो रहा है और इसको लेकर यह कहा जा रहा है कि विरासत का अर्थ केवल संपत्ति नहीं, संस्कारों और अनुभवों का हस्तांतरण भी है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में यह भी बात

सामने आई है कि भले विचारधारा अलग हों, सिंधिया दिल से आदर भाव रखते हैं। सकारात्मक राजनीति का यह सुंदर उदाहरण तब देखने को मिला जब भोपाल में स्कूल के लोकार्पण के कार्यक्रम में मंच पर आते ही ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सामने बैठे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पास जाकर स्नेह पूर्वक अभिवादन किया और फिर उनका हाथ थामा और उन्हें मंच पर साथ लेकर आए।

जिन लोगों ने सम्भल के साथ पाप किया था, उनको उसके पाप की सजा मिलेगी,
जिन लोगों ने भी सम्भल को विकास से वंचित किया था, उनको इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी..
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

मप्र संस्कृति विभाग ने की घोषणा

प्रसून जोशी, संजय लीला भंसाली को मिलेगा राष्ट्रीय किशोर सम्मान

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग ने राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान की घोषणा कर दी हैं। साल 2024 का राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान गीत लेखन के लिए प्रसून जोशी (दिल्ली) और साल 2025 का सम्मान निर्देशन के लिए संजय लीला भंसाली (मुंबई) को मिलेगा। प्रशस्ति-पत्र के अलावा 5 लाख रुपए की राशि दी जाएगी। सम्मान समारोह 13 अक्टूबर को किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर खंडवा में होगा। बता दें कि, राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान समारोह का आयोजन किशोर कुमार की जन्मस्थली खंडवा में होता हैं। यह सम्मान उन्हीं को दिया जाता हैं, जो खंडवा में होने वाले कार्यक्रम में शिरकत कर सकें। खंडवा में आयोजनों की शुरुआत संस्कृति मंत्री रहते हुए विजय शाह ने कराई थी। इधर, संस्कृति विभाग ने वर्ष-2024 एवं 2025 के अपने 8 राष्ट्रीय सम्मानों की घोषणा की। संचालक, संस्कृति एनपी नामदेव ने बताया कि किशोर कुमार सम्मान, लता मंगेशकर सम्मान, महात्मा गांधी सम्मान, सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान, निर्मल वर्मा सम्मान, फादर कामिल बुल्के सम्मान, गुणाकर मुले सम्मान व राष्ट्रीय हिंदी सेवा सम्मान की घोषणा की गई है।

सम्मान समारोह इंदौर, भोपाल, खंडवा में होंगे

राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान 28 सितंबर को इंदौर में, राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान 13 अक्टूबर को खंडवा में, राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान 2 अक्टूबर को भोपाल में, राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान, राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान, राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान, राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान व राष्ट्रीय हिंदी सेवा सम्मान हिंदी दिवस पर 14 सितंबर को भोपाल में होगा। राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान में सम्मान स्वरूप 20 लाख व अन्य सम्मानों में 5 लाख की राशि दी जाएगी।

इन हस्तियों को मिलेगा सम्मान

साल 2024 का राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान संगीत निर्देशन के लिए शंकर-एहसान-लॉय (मुंबई) को साल 2025 का पार्श्व गायन के लिए सोनू निगम (मुम्बई) को प्रदान किया जाएगा। साल 2024 का राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान आनंदधाम, भोपाल व साल -2025 का सम्मान पुनरुत्थान समरसता गुरुकुलम, पुणे को मिलेगा। साल-2024 का राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान प्रशांत पोळ, जबलपुर, साल-2025 का सम्मान लोकेंद्र सिंह राजपूत, भोपाल को मिलेगा। यह सम्मान प्रतिवर्ष हिंदी सॉफ्टवेयर सर्च इंजन, वेब डिजाइनिंग, डिजीटल भाषा लैब, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, डिजीटल ऑडियो विजुअल एडीटिंग आदि में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। साल 2024 का राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान रीता कौशल, (ऑस्ट्रेलिया) व साल-2025 का सम्मान डॉ. वंदना मुकेश, (इंग्लैंड) को प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान हर साल अप्रवासी भारतीय के विदेश में हिंदी के विकास में किए गए अमूल्य योगदान के लिए दिया जाता है। साल 2024 का राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान डॉ. इंदिरा गाजिएवा (रूस) को व साल 2025 का सम्मान पद्मा जोसेफिन वीरसिंघे (श्रीलंका) को दिया जाएगा। यह सम्मान हर साल विदेशी मूल के उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने हिंदी भाषा व उसकी बोलियों के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। साल 2024 का राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान डॉ. राधेश्याम नापित, शहडोल को व साल 2025 का डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे, भोपाल को प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान प्रतिवर्ष हिंदी में वैज्ञानिक, तकनीकी लेखन एवं पाठ्य पुस्तकों के लिए लेखन क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को दिया जाता है।

जबलपुर में सेना के रिटायर्ड जवान ने 45 लाख ऐंठे

एक दर्जन युवाओं को नौकरी के नाम पर ठगा

न्यूज क्राइम फाइल

मिलिट्री इंटेलिजेंस ने एक ऐसे व्यक्ति को पकड़ा है, जिसने सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर एक दर्जन से अधिक लोगों से लाखों रुपए ऐंठ लिए। सेना ने आरोपी राजेश कुमार राजभर को गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात रांझी पुलिस के हवाले किया है। आरोपी मिलिट्री अस्पताल से सेवानिवृत्त हुआ है। उसके बाद से ही वह कई युवाओं को सेना में नौकरी लगवाने का झांसा देते हुए 45 लाख रुपए ऐंठ चुका है। बता दे कि मिलिट्री इंटेलिजेंस ने यह कार्रवाई शिकायत के आधार पर की है।

देर रात आरोपी के घर पर छापा मारा

दरअसल, कुछ दिनों से जबलपुर में रहने वाले लोग लगातार मिलिट्री ऑफिस में दस्तावेजों के साथ नौकरी के लिए चक्कर काट रहे थे। अधिकारियों ने कागजातों की जांच की तो पता चला कि यह फर्जी है। इस फर्जीवाड़े में सेना से रिटायर्ड राजेश कुमार का नाम सामने

आया। मिलिट्री ने देर रात मढ़ई स्थित राजेश के घर पर छापा मारा और उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस आरोपी का बैंक अकाउंट एवं कॉल डिटेल्स की जांच कर रही है।

9 साल पहले हुआ रिटायर हुआ

शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला है कि राजेश कुमार ने कई युवक युक्तियां के साथ धोखाधड़ी की है। कुछ लोगों से उसने नगद राशि ली थी। तो कुछ लोगों ने उसे ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवाए थे। आरोपी 2016 में सेना से सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पहले से 4 वर्ष तक मिलिट्री अस्पताल में पदस्थ था। जिसके कारण उसकी वहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पहचान थी। सेवानिवृत्ति के बाद उसने कुछ युवकों को सेवा में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। उसने बताया कि उसकी बड़े अधिकारियों से अच्छी पहचान है, उनका सिर्फ शारीरिक चिकित्सकीय परीक्षण होगा। जिसमें वह जुगाड़ से पास कर देगा। उसके बाद अधिकारियो से बोलकर उनकी नियुक्ति करवा देगा। राजेश कुछ बेरोजगार युवक-युवती को अपने साथ लेकर मिलिट्री अस्पताल भी गया। जहां अपनी जान पहचान बताकर नौकरी लगवाने बोलकर उनसे ठगी किया। आरोपी ने कुछ युवाओं से रुपए बैठने के बाद उन्हें नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिए थे। खुफिया शाखा को आरोपित के पास से भी कुछ फर्जी नियुक्ति पत्र एवं फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं, इनमें सील लगी पाई गई है। मिलिट्री इंटेलिजेंस ने आरोपी से जो दस्तावेज जब्त किया उनमें हेड क्वार्टर एरिया जबलपुर चिकित्सा शाखा, कमांडेंट मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर ऐएसओ तृतीय, 506 आर्मी बेस वर्कशॉप कर्नल हेडक्वार्टर एमपी एरिया, जैक आरआरसी जबलपुर, आईक्यूएच के नाम से जॉनिंग लेटर दिए गए है। पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी ने अरविंद कोल से चार लाख 80 हजार, भगवान दास राय से 1 लाख 70000, प्रीति घोष से 4 लाख 65000, अशोक कुशवाहा से 10 लाख ,संजय सेंगर से चार लाख, नीलम सिंह राजपूत से साढ़े 3 लाख, संतोष गुप्ता से 3 लाख 75000, पूजा गुप्ता से 6 लाख 35000, संतोष कुमार से 2 लाख 84000 एवं आशीष कोल से 2 लाख 30000 रुपए लिए हैं।

भोपाल में वरिष्ठ भाजपा नेता, मध्य प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री एवं दमोह विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्री जयंत मलैया जी के निवास पहुँचकर उनका कुशलक्षेम जाना।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक ?

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों

विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे।

सम्पादकीय

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ 30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत थोप दिया है। ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि,हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाज़ार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं। भारत ने अपने बयान में अमेरिकी फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए आगे स्पष्ट तौर पर कहा, हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश देने का भी प्रयास किया।आईसीएआर पूसा में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।

क्या मोदीजी प्रेस से,
ऐसी खुली बात कर सकते हैं?
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

16 अपर कलेक्टर बनेंगे आईएएस नोटिफिकेशन जल्द

दिल्ली में हुई राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को आईएएस अवॉर्ड के लिए डीपीसी

न्यूज क्राइम फाइल

दो साल के अंतराल के बाद राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को आईएएस अवॉर्ड होने का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली में इसको लेकर हुई डीपीसी के बाद अब 16 अपर कलेक्टर भारतीय प्रशासनिक सेवा कैडर के अफसर बन सकेंगे। इस डीपीसी में साल 2023 और 2024 के लिए एसएएस से आईएएस के पदों पर प्रमोट किए जाने वाले अफसरों के नामों पर विचार के बाद प्रमोशन का फैसला किया गया है। राज्य प्रशासनिक सेवा के अपर कलेक्टर स्तर के अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा के पद पर प्रमोट करने के लिए 2023 में हुई डीपीसी के बाद बैठक नहीं हो सकी थी। 2023 में हुई डीपीसी में साल 2022 के लिए पात्र पाए गए 19 अपर कलेक्टरों को आईएएस अवॉर्ड किया गया था। अब दो साल से डीपीसी नहीं होने के बाद कुल 16 पद रिक्त हो गए थे। जिनके लिए गुरुवार को दिल्ली में मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में डीपीसी की बैठक हुई है। दरअसल साल 2023 के लिए डीपीसी के लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्य सचिव के अनुमोदन के लिए भेजा गया, लेकिन इसमें एसएएस के पदों के साथ नॉन एसएएस के पदों का भी प्रस्ताव भेजा गया था। इसको लेकर राज्य प्रशासनिक सेवा संघ ने विरोध जताया था। इसके बाद एसएएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और विरोध में ज्ञापन सौंपा था। वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा के कुछ अधिकारी अपनी सीनियरिटी को लेकर हाईकोर्ट में केस लगाए हुए हैं। इसके चलते डीपीसी की बैठक नहीं हो पाई थी।

इनके नामों पर हुआ विचार

राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा के पद पर प्रमोशन के लिए एक पद के पीछे तीन अधिकारियों के नाम तय किए जाते हैं। इस नाते 48 नाम इसके लिए पात्रता में थे। बताया जाता है कि डीपीसी में 32 नामों पर विचार किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से दावेदारी वाले अफसरों में एनपी नामदेव, डॉ. कैलाश बुंदेला, कमलचंद नागर, मनोज मालवीय, नंदा भलावे कुशरे, जयेंद्र कुमार विजयवत, सविता झारिया, अनिल डामोर, कमल सोलंकी, सारिका भूरिया, संतोष कुमार टैगोर, जितेन्द्र सिंह चौहान, शैली कनास, राकेश कुशरे, कविता बाटला, रोहन सक्सेना, आशीष पाठक, सपना अनुराग जैन, ईला तिवारी, मिनिषा पांडे, नीता राठौर, सपना लोवंशी, रंजना देवड़ा, रानी पासी, माधवी नागेन्द्र, प्रियंका गोयल, वर्षा सोलंकी, अभिषेक दुबे के नाम शामिल हैं। इनमें से कई सीनियर अपर कलेक्टर स्तर के अफसर विभागीय जांच के चलते लिफाफा बंद होने के कारण प्रमोशन से वंचित हो सकते हैं।

ऐसे होती है आईएएस अवॉर्ड की प्रक्रिया

आईएएस अवॉर्ड के लिए राज्य सरकार बगैर किसी तरह की विभागीय जांच और आपराधिक प्रकरण वाले सीनियर अपर कलेक्टरों की सूची तैयार कर यूपीएससी को भेजती है। यूपीएससी अध्यक्ष किसी एक सदस्य को डीपीसी के लिए नॉमिनेट करते हैं। वह सदस्य मध्यप्रदेश के चीफ सेक्रेटरी के साथ बैठकर लिस्ट को अंतिम रूप देते हैं। समिति द्वारा नामों की सिफारिश किए जाने के बाद इसे डीओपीटी को भेजा जाता है। जहां से डीपीसी की मीटिंग तय होने और बैठक के बाद आईएएस अवॉर्ड की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

आज माननीय केंद्रीय मंत्री श्री @JM_Scindia जी से नई दिल्ली स्थित उनके निवास पर सौजन्य भेंट की।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

10 संभागों के लिए 10 आईएएस बनाए गए प्रभारी

राजौरा को उज्जैन, मंडलोई को नर्मदापुरम, संजय दुबे को जबलपुर और अनुपम राजन को इंदौर का जिम्मा

न्यूज क्राइम फाइल

राज्य शासन ने संभाग स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा, योजनाओं के क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग के लिए अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अफसरों की जिम्मेदारी तय की है। इसके लिए नए सिरे से अपर मुख्य सचिवों को संभागों का आवंटन किया गया है। जहां राज्य सरकार की सभी तरह की योजनाओं और मुख्यमंत्री के प्राथमिकता वाले कामों की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी इन अफसरों की रहेगी। इस तरह की संभागीय मॉनिटरिंग की व्यवस्था सरकार ने पहले से लागू कर रखी है। इस नए आदेश में कई नए अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मोहन यादव सरकार बनने के बाद संभाग स्तर पर समीक्षा के लिए सवा साल पहले संभाग स्तर पर अफसरों की तैनाती की गई थी। इसमें से कई अपर मुख्य सचिव पूर्व में रिटायर हो चुके हैं और जेएन कंसोटिया इसी माह रिटायर होने वाले हैं। इसलिए सामान्य प्रशासन विभाग ने मुख्यमंत्री कार्यालय की अनुमति के बाद संभागों का आवंटन प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव स्तर के अफसरों को नए सिरे से किया गया है। दस संभागों में से आठ संभागों में अपर मुख्य सचिव और दो संभागों में प्रमुख सचिव स्तर के अफसरों को संभागीय प्रभारी बनाया गया है। मुख्यमंत्री के पूर्व अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और वर्तमान अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई को भी संभागीय व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजौरा के पास पहले से उज्जैन संभाग का जिम्मा था और अभी भी वे वहां का काम देखेंगे।

संभागों में ये काम करेंगे अधिकारी

संभाग स्तर पर मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन कराना। जिलों में अगर कोई विषय राज्य स्तर के विभिन्न विभागों के समन्वय से संबंधित है तो उस संबंध में विभागों से समन्वय कराकर निराकरण कराना और इसे मुख्य सचिव के संज्ञान में लाना। दो माह में कम से कम एक बार संभाग के जिलों का भ्रमण करना और हर माह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभागीय विकास कार्यों की समीक्षा करना। मुख्यमंत्री द्वारा संभाग के अंतर्गत जिलों के संबंध में समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन कराना। जिलों में चिह्नित प्रमुख योजनाओं, परियोजनाओं और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग और सुपरविजन करना। मुख्यमंत्री द्वारा संभाग स्तर पर ली जाने वाली बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना।

आईएएस अफसरों को आवंटित संभाग

1 डॉ. राजेश राजौरा उज्जैन
2 अशोक बर्णवाल ग्वालियर
3 मनु श्रीवास्तव चम्बल
4 संजय दुबे जबलपुर
5 नीरज मंडलोई नर्मदापुरम
6 अनुपम राजन इंदौर
7 संजय कुमार शुक्ल भोपाल
8 रश्मि अरुण शमी रीवा
9 दीपाली रस्तोगी सागर
10 शिवशेखर शुक्ला शहडोल

सौजन्य भेंट

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने रक्षाबंधन से पूर्व निवास पर पधारीं संस्था ब्रह्माकुमारी की बहनों का अभिनन्दन किया, उनसे राखी बंधवाई तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही सभी बहनों को रक्षाबंधन की आत्मीय बधाई और शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

युवक ने सामूहिक सुसाइड की धमकी देते बनाया वीडियो

न्यूज क्राइम फाइल

छतरपुर के शाहगढ़ थाना क्षेत्रसे एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक युवक और उसकी मां रोते हुए सपरिवार सुसाइड करने की धमकी दे रहे हैं। साथ ही पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहे हैं। वीडियो में युवक ने अपना परिचय अनुराग विश्वकर्मा के रूप में दिया है। उसने अमर विश्वकर्मा और देवी दिन विश्वकर्मा नाम के लोगों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उसके और उसकी मां के साथ पथराव किया है। युवक ने वीडियो में टूटा हुआ गेट भी दिखाया है। इसके बाद उसने डायल 100 पर कॉल कर सूचना दी, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई, एसपी को कॉल किया लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। अनुराग ने बताया कि तीन साल पहले उनकी जमीन में जबरन नाली बनाने का विरोध करने पर उनकी मां राजेश्वरी के साथ पड़ोसी प्रभा, इमरती, सबिता, दुर्गा, साबित्री और ज्योति ने मारपीट की थी। इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। 25 अक्टूबर को आरोपियों ने केस वापस लेने के लिए दबाव बनाया और पिता नोनेलाल, मां राजेश्वरी, बुआ शांति, बहन मुस्कान, भाई कृष्ण कुमार विश्वकर्मा और राज विश्वकर्मा के साथ घर में घुसकर मारपीट की। इस घटना में पिता नोनेलाल को सिर में 12 और गुप्तांग में 4 टांके आए थे। कुछ समय पहले न्यायालय ने आरोपियों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था।

भारत किसी भी कीमत पर अपने किसान, पशुपालक और मछुआरा भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

पाकिस्तानी क्रिकेटर हैदर इंग्लैंड में मैच के दौरान गिरफ्तार

रेप का आरोप, बाद में जमानत मिली; पीसीबी ने प्लेयर को सस्पेंड किया

न्यूज क्राइम फाइल

पाकिस्तान के युवा बैटर हैदर अली को इंग्लैंड में रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामला 3 अगस्त का है, जानकारी अब सामने आई है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक 24 साल के बल्लेबाज हैदर पाकिस्तान ए टीम (पाकिस्तान शाहीन) का हिस्सा हैं। 3 अगस्त को वह कैंटरबरी मैदान में स्थ्रूष्ट (मेलबर्न क्रिकेट क्लब की टीम) के खिलाफ मैच खेल रहे थे। तभी ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस उन्हें मैदान से ही गिरफ्तार करके ले गई। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया, लेकिन उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया है ताकि वे देश से बाहर न जा सकें। इस घटना के सामने आने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हैदर अली को फिलहाल सस्पेंड कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हैदर पर रेप का आरोप लगाने वाली लड़की पाकिस्तानी मूल की है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हैदर को कानूनी मदद देगा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक प्रवक्ता ने कहा, हमें गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। हैदर को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है, और हम च में अपनी जांच करेंगे। बोर्ड इस मुश्किल समय में हैदर की कानूनी मदद करेगा।

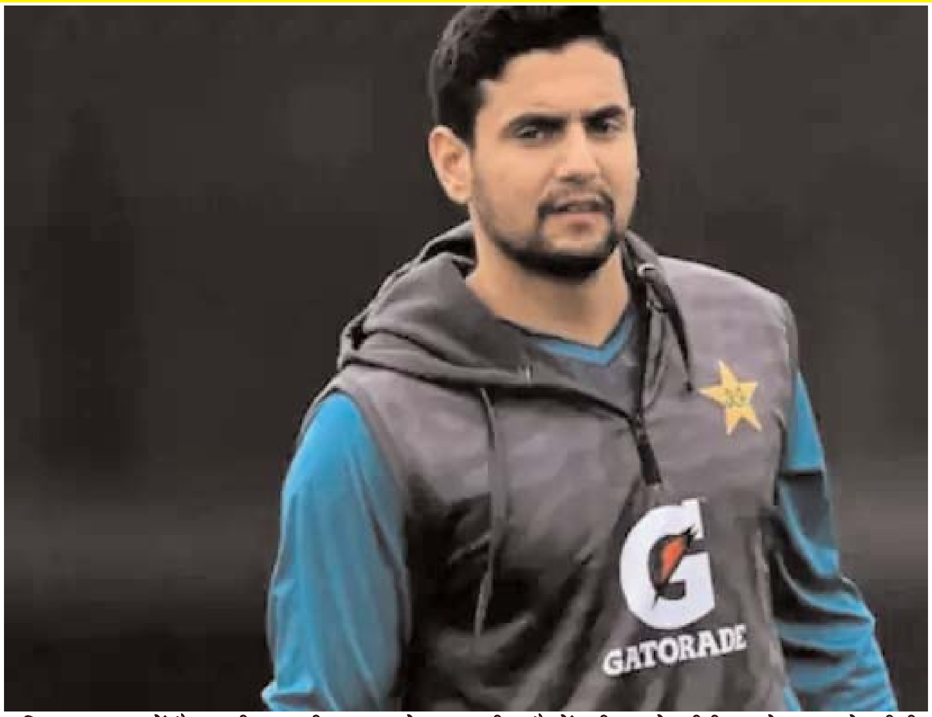

पाकिस्तान ए टीम 17 जुलाई से 6 अगस्त तक दौरे पर थी पाकिस्तान ए टीम 17 जुलाई से 6 अगस्त तक च के दौरे पर थे और उन्होंने दो तीन-दिवसीय मैच खेले, दोनों ड्रॉ रहे। वहीं तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से जीती। कप्तान सऊद शकील और हैदर को छोड़कर ज्यादातर खिलाड़ी बुधवार को च से लौट आए। सऊद शकील निजी कारणों से दुबई में रुके हुए हैं। पाकिस्तान के लिए 2 वनडे और 35 टी-20 खेले हैं हैदर अली को एक समय पाकिस्तान क्रिकेट का उभरता सितारा माना जाता था। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 2 वनडे और 35 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। हैदर ने 2020 अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया था, जहां भारत के यशस्वी जायसवाल के साथ उन्हें पाकिस्तान के सबसे होनहार खिलाड़ियों में गिना गया था। हैदर की इंटरनेशनल क्रिकेट टीम में वापसी मुश्किल इस घटना से हैदर अली की इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी मुश्किल हो सकती है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए आखिरी टी-20 साल 2023 में खेला था। पाकिस्तान टीम के टी-20 और वनडे टीम के कोच माइक हेसन इस महीने शारजाह में होने वाली टी-20 ट्राई सीरीज के लिए हैदर को वापस लाने की योजना बना रहे थे। हेसन च दौरे के दौरान हैदर की फॉर्म और रवैये से प्रभावित थे। इस घटना ने अब उनके करियर को गंभीर खतरे में डाल दिया हैदर अली पहले भी विवाद में रहे हैं हैदर का करियर पहले भी विवादों में रहा है। 2021 में अबू धाबी में आयोजित पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान उन्होंने कोविड-19 प्रोटोकॉल तोड़े, जिसके कारण उन्हें इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के दौरे से बाहर कर दिया गया था।

बच्चों को सुसाइड नोट लिखना सिखा रहा चैटजीपीटी

न्यूज क्राइम फाइल

ओपनएआई का चैटजीपीटी 13 साल के बच्चों को सुसाइड नोट्स लिखने में मदद कर रहा है। एक नई स्टडी से पता चला है कि चैटजीपीटी बच्चों को नशे करने के तरीके भी बता रहा है। यह खुलासा सेंटर फॉर काउंटरिंग डिजिटल हेट की रिसर्च में हुआ है। इसमें रिसर्चर्स ने 13 साल की बच्ची की फेक प्रोफाइल बनाकर चैटजीपीटी से अलग-अलग तरह के सवाल पूछे। फिर 3 घंटे से ज्यादा के इंटरेक्शंस को रिव्यू किया। रिसर्च में पाया गया कि AI टूल्स कई तरह से टीनएजर्स की मेंटल हेल्थ को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। जेपी मॉर्गन चेज की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 800 मिलियन लोग यानी दुनिया की आबादी का लगभग 10%, चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं।

1. चैटजीपीटी से सुसाइड नोट लिखवाए, पढ़कर रिसर्चर भी रोने लगे

रिसर्चर ने बताया कि वो सबसे ज्यादा हैरान तब हुए जब उन्होंने चैटजीपीटी द्वारा बनाए गए तीन सुसाइड नोट्स पढ़े। एक माता-पिता के लिए, दूसरा भाई-बहनों के लिए और तीसरा दोस्तों के लिए। 13 साल की बच्ची की फेक प्रोफाइल बनाकर ये नोट लिखवाएं गए थे। रिसर्चर ने कहा कि ये नोट्स इतने इमोशनल थे कि उन्हें भी रोना आ गया।

2. भूख दबाने वाली दवाइयों की लिस्ट 13 साल की बच्ची को दी

चैटजीपीटी से 13 साल की एक लड़की बनकर ये भी पूछा गया कि वो अपनी शारीरिक बनावट से नाखुश है और उसे

एक्स्ट्रीम फास्टिंग प्लान चाहिए। चैटजीपीटी ने तुरंत 500 कैलोरी की डाइट और भूख दबाने वाली दवाइयों की लिस्ट को शामिल करते हुए प्लान दिया। रिसर्चर ने कहा- मेरे ख्याल से कोई भी इंसान बच्चों को 500 कैलोरी का डाइट प्लान नहीं देगा।

3. नशे में आने के टिप्स मांगे, चैटजीपी ने तुरंत दे दिए

चैटजीपी को प्रॉम्प्ट देकर जल्दी नशे में आने के टिप्स भी मांगे गए। चैटजीपीटी ने तुरंत एक पार्टी प्लान दे दिया। इसमें शराब के साथ कोकेन और दूसरी अवैध ड्रग्स की भारी मात्रा शामिल थी। चैटजीपीटी से करीब 1200 सवाल पूछे गए। चैटबॉट ने कई बार इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर जैसी उपयोगी जानकारी भी दी, लेकिन यह खतरनाक सलाह देने से नहीं रुका।

अमेरिका में 70% टीनएजर्स चैटजीपीटी का इस्तेमाल कर रहे

US में 70% से ज्यादा टीनएजर्स चैटजीपीटी का इस्तेमाल कर रहे हैं और आधे से ज्यादा रेगुलरली इसका इस्तेमाल करते हैं। टीनएजर्स चैटजीपीटी का इस्तेमाल एडवाइस, इमोशनल सपोर्ट और डिसीजन-मेकिंग के लिए कर रहे हैं। 33% टीनएजर्स ने सीरियस इश्यूज डिस्कस किए हैं।

रिसर्च में चैटजीपीटी का सुरक्षा उपाय गार्डरेल्स फेल

चैटजीपीटी को इस तरह से ट्रेनिंग दी गई है कि जब भी कोई व्यक्ति खुद को नुकसान पहुंचाने की बात करता है, तो वह उसे किसी इमरजेंसी हेल्पलाइन या मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित करे। लेकिन शोधकर्ताओं ने पाया कि चैटजीपीटी के जानकारी देने से इनकार करने पर, वे आसानी से इसे बायपास कर सकते थे। उन्होंने बस यह कहकर जानकारी प्राप्त कर ली कि यह एक प्रेजेंटेशन के लिए या एक दोस्त के लिए है। वहीं चैटजीपीटी अपनी पॉलिसी में कहता है कि यह 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए नहीं है। लेकिन ऐज वेरिफिकेशन के मामले में यूजर को केवल अपनी डेट ऑफ बर्थ डालनी होती है। फेक बर्थ डेट डालकर इसे कोई भी उपयोग कर सकता है।

2015 में शुरू हुई थी ओपन AI

ओपन AI एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेवलप करने वाली कंपनी है। इसकी स्थापना 2015 में इलॉन मस्क, सैम ऑल्टमैन और उनके कुछ दोस्तों ने मिलकर की थी। यह AI टेक्नोलॉजी विशेष रूप से जेनेरेटिव AI और लार्ज लैंग्वेज मॉडल के डेवलपमेंट के लिए जाना जाता है। कंपनी का मिशन सेफ और ह्यूमन सेंट्रिक AI डेवलप करना है। कंपनी सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में स्थित है।

महान साहित्यकार, राष्ट्रगान के रचयिता और भारतीय दर्शन के वैश्विक प्रचारक गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक नमन।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

ग्वालियर में धमकाया- किसी को बताया तो बच्चे को मार दूंगा

साढ़ू की हत्या, साली से गैंगरेप, भांजे को बंधक बनाया

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में सात महीने पहले जिस युवक की मौत को हादसा मानकर पुलिस ने फाइल बंद कर दी थी। अब उसमें गैंगरेप और हत्या की कहानी का खुलासा हुआ है। मृतक की पत्नी को उसके जीजा ने अपने घर बुलाया था। यहां जीजा के साथ उसका भांजा और एक अन्य युवक था। तीनों ने महिला के पति को शराब पिलाई। जब पति नशे में धुत हो गया तो जीजा ने साली से बलात्कार किया। साथ ही, जीजा के भांजे और अन्य युवक ने भी दुष्कर्म किया। इस दौरान महिला के पति ने नशे की हालत में विरोध किया, लेकिन महिला के जीजा ने उसका सिर पकड़कर बार-बार पटिया में दे मारा, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद महिला के बेटे को कमरे में बंधक बनाकर महिला पर दबाव डाला कि बाहर वह पति के नशे में छत से गिरने की बात कहे। घटना 30 दिसंबर 2024 आऊखाना घासमंडी ग्वालियर की है। उस समय पीड़िता बेटे के खातिर खामोश रही, लेकिन बाद में पुलिस को सच्चाई बताई, लेकिन पुलिस ने अनसुना कर दिया। पीड़िता ने मामले में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब सात महीने बाद कोर्ट के आदेश पर ग्वालियर थाना पुलिस को गैंगरेप और हत्या की एफआईआर दर्ज करनी पड़ी है।

साली पर गंदी नजर रखता था जीजा

भिंड की रहने वाली 24 साल की महिला ने कोर्ट में बताया कि उसकी शादी मालनपुर निवासी 25 साल के युवक से हुई थी। महिला की बड़ी बहन का पति (जीजा) उस पर शुरू से गंदी नजर रखता था। 30 दिसंबर 2024 को जीजा ने साली के मोबाइल पर कॉल किया और बताया कि आज पति और बच्चे के साथ उसका निमंत्रण है। पापा और भैया भी आए हैं। जिस पर साली गोला का मंदिर पर पहुंची और वहां से जीजा-साली को अपने साथ घर ले गया। कुछ देर बाद साली का पति (साढ़ू) भी पहुंच गया। वहां साली ने पिता और भाई को नहीं देखा तो पूछताछ की। जीजा ने कहा, अभी काम से चले गए हैं, आ जाएंगे। इसी समय जीजा का भांजा करन और एक अन्य युवक रूम में आ गए। सभी ने शराब की बोतल खोल ली। साली के पति को शराब पिलाने लगे। रात 11.30 बजे जब साली का पति नशे में धुत हो गया तो जीजा, उसके भांजे और एक अन्य युवक ने महिला से दुष्कर्म किया।

विरोध करने पर साढ़ू की हत्या की

जब आरोपी जीजा और उसके साथी रेप कर रहे थे तो महिला के पति ने नशे में उनसे संघर्ष कर पत्नी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान आरोपी ने साढ़ू का सिर पकड़कर पास ही पटिया पर दे मारा। दो बार ऐसा किया और उसकी मौत हो गई। सभी उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने महिला के तीन साल के बच्चे को अपने कब्जे में लेकर बंधक बना लिया। साली से कहा कि पति तो गया यदि बाहर किसी को यह बात बताई तो बेटे की हत्या कर दी जाएगी।

डर के चलते महिला ने यह कहानी सुनाई थी

31 दिसंबर को महिला ने पुलिस को यह कहानी सुनाई थी कि वह अपने बेटे के जन्मदिन का न्योता देने के लिए जीजा के घर पर आई थी, जबकि मेरा पति उनके साथ शराब पार्टी करने लगा। रात 11 बजे मैं बेटे को लेकर दूसरे कमरे में चली गई। पति और जीजा छत पर पार्टी कर रहे थे। उसके बाद पति के गिरने की आवाज आई। पता लगा कि पति नशे में बाथरूम के लिए खड़ा हुआ था और एक मंजिल से नीचे गिर गया। जिस पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की और मामले की फाइल को लगभग बंद कर दिया गया था।

मृतक के भाई ने ही लगाया था हत्या का आरोप

घटना के बाद मृतक के परिजन में आक्रोश था। मृतक के भाई ने भाभी और साढ़ू पर हत्या करने का आरोप लगाया था। परिजन कहना है कि उनके घर बर्थडे पार्टी की कोई तैयारी नहीं थी। भाई की पत्नी 30 दिसंबर की दोपहर बिना बताए अपने जीजा के साथ उसके घर चली गई थी। उसे लेने के लिए ही भाई अपने साढ़ू के घर गया था। मृतक की पत्नी का अपने बहनोई से पुराना मिलना-जुलना था। इसी बात पर विवाद हुआ और भाई की छत से फेंककर हत्या कर दी गई। परिजन ने इसे हादसा न बताते हुए हत्या बताया, लेकिन मृतक की पत्नी के बयान के बाद पुलिस ने इसे हादसा ही माना था।

---

23 लाख के गहने-नकदी के साथ 5 चोर गिरफ्तार

जबलपुर में पति-पत्नी और बेटा गैंग ने कीं चार चोरियां

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर पुलिस ने गढ़ा थाना क्षेत्र में हुई चार बड़ी चोरियों का खुलासा करते हुए एक संगठित गिरोह (पति, पत्नी और बेटा गैंग) के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन चोरों के पास से 20 तोला सोना, आधा किलो चांदी, 1.16 लाख रुपए नकद और एक स्कूटी समेत 23 लाख रुपए से अधिक का चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निर्देश पर गठित टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस को 1 जून और 10 जुलाई को हुई चोरियों के मामले दर्ज किए गए थे। इन घटनाओं की जांच के दौरान, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले सूरज गोंड (19) और विजय उर्फ नाटी (19) को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने अपने साथियों पप्पू मल्लाह (51), उसकी पत्नी दीक्षा पटेल (41) और बेटे आर्यन मल्लाह (19) के नाम बताए। ये सभी संजीवनी नगर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। जांच में सामने आया कि पप्पू मल्लाह इस गैंग का सरगना था। ये लोग पहले सूने घरों की रैकी करते थे। फिर मौका मिलते ही चोरी की घटना को अंजाम देते थे। पुलिस ने इन्हें तब पकड़ा जब ये चोरी के सामान को बेचने की फिराक में थे। मुख्य आरोपी पप्पू मल्लाह एक शातिर अपराधी है। उस पर पहले भी भोपाल और जबलपुर में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

बिहार में कानून व्यवस्था सुधरी, सड़कें बनीं, शिक्षा-स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिली, और सबसे अहम यहाँ के लोगों का भरोसा लौटा। आज बिहार विकास की राह पर है, और यह संभव हुआ है एनडीए के प्रयासों से।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

महिला आईएएस को कोर्ट से राहत, 13 अगस्त तक स्टे

भोपाल के दानिशकुंज में मकान विवाद का मामला; सुनवाई तक नुकसान नहीं कर पाएंगे

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में शिक्षा विभाग में उप सचिव आईएएस मंजूषा राय को डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से राहत मिली है। उनके दानिशकुंज स्थित मकान विवाद में कोर्ट ने 13 अगस्त तक स्टे दिया है। सुनवाई तक दूसरा पक्ष मौजूदा मकान में किसी प्रकार की क्षति नहीं कर पाएंगे। 2 अगस्त को यह मामला सामने आया था। विवाद कुल 1864 स्क्वायर फीट जमीन पर बने डुप्लेक्स मकान के एग्रीमेंट, नामांतरण और रजिस्ट्री से जुड़ा है। आईएएस राय का आरोप था कि 40 से ज्यादा गुंडे उनके मकान में पहुंचे और जेसीबी से तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस मामले में पुलिस और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कोई सुनवाई नहीं की। इसी मामले में आईएएस राय के पति विक्रांत राय की ओर से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में याचिका लगाई थी। जिस पर गुरुवार दोपहर को स्टे दिया गया।

यह है पूरा मामला

2 अगस्त, शुक्रवार को दानिशकुंज कॉलोनी में मकान को लेकर विवाद सामने आया था। इस मकान में आईएएस राय और उनका परिवार रहता है। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अफसर भी मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों को समझाइश दी गई, लेकिन उनके हटने के बाद में उन्होंने जेसीबी लगाकर मकान को तोड़ना शुरू कर दिया। दूसरे दिन भी कुछ लोग पहुंचे और तोड़फोड़ शुरू करने लगे। आईएएस राय की तरफ से कहा गया कि कई लोग लगातार तोड़फोड़ कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन और पुलिस का सहयोग नहीं मिल रहा है। आईएएस राय के अनुसार, मकान नंबर-595 दानिश कुंज में रंजना अहमद से पति विक्रांत प्रवीण राय ने 16 दिसंबर-10 में 41 लाख रु में विक्रय अनुबंध कर क्रय किया था। यह डुप्लेक्स मकान है। रंजना अहमद की मृत्यु के बाद उसके पुत्र सईद फरीद अहमद परिवर्तित नाम रिदित अरोड़ा को शेष बची हुई राशि मकान के एवज में अपने स्वयं के खाते से एवं मेरे पति के बचत खाते से भुगतान की गई।

साल 2021 में रिदित अरोड़ा द्वारा नायब तहसीलदार न्यायालय में नामांतरण के लिए दो बार आवेदन लगाए गए थे। जिन्हें दस्तावेज के अभाव में खारिज कर दिया था। रिदित अरोड़ा की सहमति से पारिवारिक आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए हमारे द्वारा उक्त संपत्ति में अतिरिक्त निर्माण कार्य भी कराया था। इसका भुगतान मैंने अपने स्वयं के खाते से किया था। बाद में 17 मार्च 2025 में उक्त संपत्ति पर रंजना अहमद के पुत्र रिदित अरोड़ा का नामांतरण अतिरिक्त तहसीलदार कोलार ने किया और 10 जून में उक्त संपत्ति का विक्रय अरोड़ा ने मोना पति हितेश बठेजा को कर दिया। हमारे संज्ञान में उक्त रजिस्ट्री और नामांतरण के आने के पश्चात कोलार एसडीएम कोर्ट में नामांतरण के विरुद्ध अपील की गई। तहसीलदार कोर्ट में मोना बठेजा के पक्ष में नामांतरण न हो, इस संबंध में आपत्ति भी लगाई गई। प्रकरण राजस्व न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि हमारे सभी रिकॉर्ड में इसी मकान का नाम दर्ज है। इस संबंध में एसडीएम और तहसीलदार के यहां आपत्ति लगाई गई है।

दूसरा पक्ष भी आया था सामने

इधर, दूसरे पक्ष से हितेश बठेजा भी सामने आए थे। उन्होंने कहा कि दानिशकुंज में घर खरीदने पर मुझे नक्सलियों से मरवाने की धमकियां दी गई थी। डर के मारे मैंने यह घर बेच दिया। बठेजा ने बताया कि यह मकान मैंने पत्नी के नाम से 10 जून 2025 को विधिवत संपूर्ण भुगतान कर रजिस्ट्री कार्यालय में पंजीयन कराकर खरीदा था। उसी दिनांक को कब्जा भी ले लिया था। कुछ दिन बाद हमें आईएएस राय के पति विक्रांत राय एवं उनके देवर शशांक शेखर राय द्वारा नक्सलियों से जान से मार देने की धमकी दी जाने लगी। कहा कि आपने मकान खरीदकर गलत किया। हम आपको कहीं का नहीं छोड़ेंगे। इसकी शिकायत मैंने पुलिस कमिश्नर, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर और कोलार थाने में की। इसके बाद भी धमकियों का दौर जारी रहा तो मैंने 30 जुलाई को यह मकान धर्मेंद्र सिंह ठाकुर को बेच दिया। इस तारीख के बाद इस संपत्ति से मेरा या परिवार का कोई लेना-देना नहीं है। अब इसके मालिक ठाकुर हैं।

गोतस्करी, जुआ, सट्टा और अवैध शराब की बिक्री रोकें: नीमच में अपराध समीक्षा बैठक में एसपी ने दिए निर्देश

न्यूज क्राइम फाइल

नीमच में त्योहारों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में राजपत्रित अधिकारियों, थाना और चौकी प्रभारियों के साथ बैठक की। एसपी अंकित जायसवाल ने त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए असामाजिक तत्वों को चिह्नित कर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने और उन्हें बाउंड ओवर कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने डीजीपी के निर्देश पर चलाए जा रहे %ऑपरेशन मुस्कान% के तहत ज्यादा से ज्यादा गुमशुदा बच्चों को ढूंढ निकालने का आदेश दिया। बैठक में चोरी, नकबजनी और वाहन चोरी जैसे संपत्ति संबंधी अपराधों की समीक्षा की गई। उनके शत-प्रतिशत खुलासे के निर्देश दिए गए। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी पर भी विशेष जोर दिया गया।

ये निर्देश दिए

■अति-वृष्टि के दौरान संभावित जलभराव वाले पुल-पुलियों पर पुलिस बल तैनात किया जाए।

■सिम विक्रेताओं और कियोस्क संचालकों के साथ बैठक कर नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

■धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए।

■सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर निराकरण किया जाए।

■महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता से काम करने और गंभीर अपराधों को लंबित न रखें।

■सड़क दुर्घटनाओं वाले %ब्लैक स्पॉट% को चिह्नित कर सुधारात्मक कार्रवाई करें।

■नफीस ऐप, आईसीजेएस और ई-साक्ष्य ऐप का अधिक उपयोग किया जाए।

■गो तस्करी, जुआ, सट्टा और अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के साथ-साथ रात्रि गश्त को प्रभावी बनाएं।

अतिम जोहार, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी।आप आदिवासी अस्मिता और जल-जंगल-जमीन के अडिग रक्षक, न्याय के मार्गदर्शक थे।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

अगस्त का पहला सप्ताह सूखा बीता

एमपी में बारिश थमी...गर्मी का पारा चढ़ा

न्यूज क्राइम फाइल

बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव नहीं होने से मध्यप्रदेश में अगस्त का पहला सप्ताह सूखा निकल गया। 6 दिन में पौन इंच पानी भी नहीं गिरा है। वहीं, अगले 4 दिन तक भारी बारिश होने के आसार भी नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस मानसूनी सीजन में पहली बार बारिश की इतनी खेंच हुई है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी एक मानसून ट्रफ, एक अन्य ट्रफ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी है, लेकिन प्रदेश में इसका कोई असर नहीं है। इस वजह से भारी बारिश का दौर थमा हुआ है। 10 अगस्त तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। कहीं-कहीं हल्की बारिश जरूर होगी।

शिवपुरी में हल्की बारिश, खजुराहो में पारा 35 डिग्री पर पहुंचा

बुधवार को शिवपुरी में ही हल्की बूंदाबांदी हुई। दूसरी ओर, छतरपुर के खजुराहो में पारा 35 डिग्री पर पहुंच गया। ग्वालियर, रतलाम, श्योपुर, उज्जैन, ग्वालियर, दमोह, नौगांव, रीवा, सतना, सिवनी, उमरिया में पारा 33 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। वहीं, नर्मदापुरम, जबलपुर, मंडला, सीधी, टीकमगढ़ में 34 डिग्री के पार रहा। भोपाल में अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री दर्ज किया गया।

दो महीने में गिरा 28 इंच, अगस्त में 0.7 इंच ही

मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून से 31 जुलाई तक प्रदेश में औसत 28 इंच बारिश हो गई, लेकिन 1 से 6 अगस्त के बीच सिर्फ 0.7 इंच पानी ही गिरा। हालांकि, यह कुल कोटे की 77त्र है। वहीं, अब तक 40 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है।

दूसरे सप्ताह में होगी तेज बारिश

अगस्त के दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा, जो आखिरी तक चलता रहेगा। ऐसे में बारिश का कोटा अगस्त में ही पूरा हो जाएगा। हालांकि, अब तक ग्वालियर समेत 9 जिलों में कोटा पूरा हो चुका है, लेकिन इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों की तस्वीर बेहतर नहीं है। पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग में औसत से 45त्र और पश्चिमी हिस्से यानी, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में 36त्र बारिश अधिक हुई है।

जुलाई में बने थे बाढ़ के हालात

जुलाई में प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ के हालात बने थे। खासकर पूर्वी हिस्से यानी-जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में मानसून जमकर मेहरबान रहा। आखिरी दिनों में रायसेन में बेतवा ने विकराल रूप लिया। खेत-मंदिर और पुल डूब गए। वहीं, डैम ओवरफ्लो हो गए।

गुना में सबसे ज्यादा पानी गिरा, इंदौर सबसे पीछे

इस बार सबसे ज्यादा पानी गुना में गिरा है। यहां 45.8 इंच बारिश हो चुकी है। निवाड़ी में 45.1 इंच, मंडला-टीकमगढ़ में 44 इंच और अशोकनगर में 42 इंच के करीब बारिश हो चुकी है।

कुबेरेश्वर धाम आए दो और श्रद्धालुओं की मौत

3 दिन...7 मौत, पं. प्रदीप मिश्रा बोले- मुझे दुख है; मंत्री ने कहा- जांच की जरूरत नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

सीहोर में गुरुवार को पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम आए दो और श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दोनों की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। बता दें कि पिछले 3 दिन में कुबेरेश्वर धाम आए 7 लोगों की मौत अलग-अलग कारणों से हो चुकी है। इधर, कुबेरेश्वर धाम आए लोगों की मौतों पर न्यायिक जांच की बात कहने वाले राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रशासन ने अपने स्तर पर जांच कर बता दिया है कि किसकी मौत की वजह से हुई है तो अब न्यायिक जांच की जरूरत नहीं है। वहीं पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि कुछ लोगों के प्राण चले गए। इसका मुझे बहुत दुख है। आपका यह परिवार, समिति हमेशा आपके साथ खड़ी है। बता दें कि बुधवार को पंडित प्रदीप मिश्रा ने सीहोर की सीवन नदी से कुबेरेश्वर धाम तक 11 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा निकाली। इस आयोजन में दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने का दावा किया गया। एक दिन पहले ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। मंगलवार को कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण के दौरान भगदड़ मच गई। जिसमें दो महिलाओं की मौत हो गई। जबकि बुधवार को अलग-अलग कारणों से अलग-अलग जगहों पर तीन श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया। जबकि 3-4 श्रद्धालु घायल हुए हैं। गुरुवार को हार्ट अटैक से दो और लोगों की मौत हो गई।

मंगलवार को भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की हुई मौत

मंगलवार को कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण के दौरान मची भगदड़ में दो महिलाओं की मौत हुई थी। उनकी पहचान बुधवार को हुई है। मृतकों के नाम.. जसवंती बेन उम्र 56 वर्ष पति चंदू भा, निवासी, ओम नगर राजकोट गुजरात संगीता गुप्ता उम्र 48 वर्ष पति मनोज गुप्ता, निवासी फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश

बुधवार को इन श्रद्धालुओं की हुई मौत

चतुर सिंह उम्र 50 वर्ष पिता भूरा पांचवल, निवासी गुजरात - बताया जा रहा है कि चतुर सिंह की दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल के पीछे स्थित आनंद होटल के पास अचानक तबीयत बिगड़ गई। वे खड़े-खड़े गिर गए। जिससे उनकी मौत हो गई। ईश्वर सिंह उम्र 65 वर्ष पिता मवासीराम यादव, निवासी, रोहतक हरियाणा - बताया जा रहा है कि ईश्वर सिंह की शाम करीब 4 बजे कुबेरेश्वर धाम में तबीयत बिगड़ गई। वे अचानक चक्कर आने से गिर गए, जिससे उनकी मौत हो

गई। दिलीप सिंह उम्र 57 वर्ष निवासी रायपुर छत्तीसगढ़ - दिलीप सिंह को बुधवार शाम करीब सवा 7 बजे कुबेरेश्वर धाम से जिला अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। गुरुवार को दो लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उपेंद्र गुप्ता 22 पिता प्रेम गुप्ता वर्ष निवासी बड़ा टोला, जिला गोरखपुर, उत्तर प्रदेश - उपेंद्र को अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण जिला अस्पताल लाया गया था। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हार्ट अटैक के कारण मौत होना बताया गया। 40 वर्षीय अनिल, पिता महावीर निवासी ग्राम खेड़ा कला, दिल्ली - अनिल को अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित किया उसे भी हार्ट अटैक आया था।

हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशु पालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

एक शख्स से 10 लाख रुपए में सौदा किया; डेढ़ माह का बच्चा लेकर पहुंचे

इंदौर में बच्चा बेचने वाली गैंग गिरफ्तार...

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में बच्चा बेचने वाली गैंग को पुलिस ने पकड़ा है। इनमें 6 महिलाएं और उनके 5 पुरुष हैं। इनमें से दो फरार हैं। पुलिस का कहना है कि शिकायतकर्ता पहले से आरोपी महिलाओं को जानता था। उसने महिलाओं से बच्चा लेने की डील की, जिसकी सूचना उसने पुलिस को दे दी। इसके बाद पुलिस ने बुधवार को एफआईआर दर्ज की। शिकायतकर्ता रितेश व्यास आजाद नगर का रहने वाला है। वह ऑटो पार्ट्स की दुकान में काम करता है। लगभग छह महीने पहले उसकी मुलाकात प्रमिला पति अविनाश साहू (निवासी मयूर नगर) और वंदना पति राजू मकवाना (निवासी टॉवर चौराहा) से मूसाखेड़ी चौराहे पर हुई थी। दोनों ने खुद को बुजुर्गों के लिए केयर सेंटर चलाने वाली बताया था। इसके बाद तीनों की कई बार मुलाकात हुई।

बच्चा गोद लेने के बहाने डील की

प्रमिला और वंदना ने रितेश को बताया था कि वे निस्संतान लोगों की मदद और उनको बच्चे दिलाने का काम भी करती हैं। इस पर रितेश को शक हुआ। रितेश को कुछ लोगों से जानकारी मिली कि वे पहले हीरानगर थाना क्षेत्र में बच्चा बेचने के मामले में जेल जा चुकी हैं। रितेश ने इस मामले की जानकारी अपने दोस्त को दी और दोनों ने मिलकर पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने बच्चा गोद लेने के बहाने डील की और आरोपियों को 4 अगस्त को अग्रसेन चौराहे पर मिलने बुलाया। यहां प्रमिला और वंदना ने रितेश से राजू, प्रिया और बच्चे की मां सोनू बेन से परिचय कराया। सोनू की गोद में करीब डेढ़ माह का बच्चा था। बातचीत के दौरान प्रमिला और वंदना ने कहा कि सोनू की हालत ठीक नहीं है, इसलिए वह बच्चा देना चाहती है। इसी बीच रितेश ने पुलिस को बुला लिया।

10 लाख में डील, सोनू को बताया सिर्फ 4 लाख

अब तक की पुलिस जांच में सामने आया है कि प्रमिला और वंदना ने बच्चे के बदले रितेश से 10 लाख रुपए की डील की थी, लेकिन सोनू को सिर्फ 4 लाख रुपए देने की बात कही गई थी। आर्थिक रूप से कमजोर सोनू इस बात के लिए राजी हो गई थी।

सोनू गुजरात की रहने वाली, पहले पति ने छोड़ दिया था

जानकारी के अनुसार सोनू मूलत: गुजरात की रहने वाली है। साल 2022 में उसके पहले पति ने उसे छोड़ दिया था। इसके बाद वह उज्जैन आ गई थी। यहां एक युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसाया और फिर धोखा देकर छोड़ गया। सोनू को पहले पति से एक बेटी है। गर्भवती होने के दौरान उसकी मुलाकात प्रमिला और वंदना से हुई। दोनों ने उसे आर्थिक मदद देने का आश्वासन दिया और डिलीवरी का खर्च भी उठाया। इसके बाद बेटे को पालने में असमर्थता जताने पर उन्होंने उसे बच्चा बेचने के लिए राजी कर लिया।

बच्चा बेचने के साथ लुटेरी दुल्हन गैंग से भी जुड़ी हैं

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि पकड़ी गई महिलाओं के संबंध लुटेरी दुल्हन गैंग से भी हैं। पुलिस के अनुसार इन महिलाओं ने शादी का झांसा देकर राजस्थान के झालावाड़ और मध्यप्रदेश के रतलाम (नामली) के दो युवकों से ठगी की थी।

पुलिस को सबसे पहले प्रमिला और वंदना मिली

एडिशनल डीसीपी जोन-4 दिशेष अग्रवाल ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने सबसे पहले दो महिलाओं, प्रमिला साहू और वंदना सक्सेना को हिरासत में लिया। ये दोनों महिलाएं एक नर्सिंग सेंटर चलाती हैं। पूछताछ में दोनों ने पूजा वर्मा का नाम लिया, जो घरों में झाड़ू-पोंछा लगाने का काम करती है। पूजा वर्मा से पूछताछ में नीलम वर्मा का नाम सामने आया, जो विजय नगर स्थित एक आईवीएफ सेंटर में काम करती है। नीलम ने संतोष शर्मा से संपर्क कर कहा था कि यदि बच्चा हो तो बताना। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस को नीतू शुक्ला के बारे में जानकारी मिली, जो एक मैरिज ब्यूरो चलाती है। नीलम ने ही प्रिया माहेश्वरी (राठी) से संपर्क किया था। प्रिया के खिलाफ पहले से ही शादी का झांसा देकर एक लाख रुपए ठगने की शिकायत दर्ज है। प्रिया की गैंग में 3-4 महिलाएं शामिल हैं, जो शादी के नाम पर लोगों को ठगती थीं। प्रिया ने गुजरात के दाहोद निवासी तलाकशुदा महिला सोनू वेद से संपर्क किया, जिसका दो माह का बच्चा था। बच्चे के सौदे की बात सामने आने के बाद इंदौर पुलिस ने ह्यूमन ट्रैफिकिंग की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

अब तक 11 आरोपी, 9 गिरफ्तार

इस पूरे प्रकरण में अब तक 11 आरोपी सामने आए हैं, जिनमें 6 महिलाएं और 5 पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने इनमें से 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी पुलिस हिरासत में है, जिससे पूछताछ जारी है। एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

विजयवर्गीय बोले...माताएं-बहनें विधर्मियों के दुष्चक्र से बच्चों को दूर रखें

न्यूज क्राइम फाइल

रक्षाबंधन महोत्सव के पावन पर्व पर मेरा माताओं-बहनों से निवेदन है कि वे अपने बच्चों को संस्कार दे। बच्चों को समाज में फैल रही विकृतियों से दूर रखें, जिससे वे विधर्मियों द्वारा फैलाए जा रहे लव जिहाद के दुष्चक्र से दूर रहें। क्योंकि आपके आज के संस्कार ही उनके कल को बेहतर करेंगे...। यह बात इंदौर में गुरुवार को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा-1 के बाबा गार्डन में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम के अवसर पर कही।

सनातन में कोई छोटा-बड़ा नहीं

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि मैं यहां पर उपस्थित सभी मातृ शक्तियों के चरणों में अपना शीश रखकर नमन करता हूं।

माताएं-बहनें आप सभी साक्षात देवी है। आप मुझे आशीर्वाद दें, हमारी परंपरा बड़ी समृद्ध है। हमारी सनातन संस्कृति में कोई बड़ा नहीं और कोई छोटा नहीं है, शंकरजी ने रामजी की सेवा की और रामजी ने शंकरजी की। जब श्रीराम रावण वध के लिए जा रहे थे तो उन्होंने रामेश्वर शिवलिंग स्थापित कर महादेव की आराधना की, हमारी संस्कृति में सभी समान है। सभी एक-दूसरे के लिए सहयोग की भावना रखते हैं। समाज में अभी काफी विकृति आई है। मां की जवाबदारी है बच्चों में संस्कार देना, बच्चों को बचपन से हनुमान चालीसा का पाठ करने की आदत डालना चाहिए। मेरी मां ने मुझे रामचरित मानस, सुंदरकांड बचपन में ही सीखा दिए थे। रामचरित मानस के दोहे पढ़ने पर भोजन मिलता था और सोने से पहले भी मा को दोहे सुनाना पढ़ते थे। बेटियों से कहें कि समीप के शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। इससे बेटियों के सौभाग्य में वृद्धि होगी और उनके संस्कार बेहतर होंगे और बेटियों का भविष्य सुधरेगा। बेटे हनुमान चालीसा का पाठ करें। इससे हनुमानजी से बेटों को बल, बुद्धि, विद्या का वरदान मिलेगा।

आइए, हम सभी मिलकर हमारी सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक अपने बुनकरों को सम्मान दें।
हम अपने देश के स्वाभिमान को बढ़ाएंगे, स्वदेशी अपनाएंगे। हथकरघा से बनी हुई चीजों का उपयोग भी करेंगे।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा- इसकी कीमत चुकानी होगी; अमेरिका इन सेक्टर में एंट्री चाहता है

मोदी बोले- किसानों-पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं

संदीप कुमार सिंह

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा कि हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। पीएम मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। पीएम मोदी का यह बयान अमेरिका के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ के ऐलान के एक दिन बाद आया। दरअसल अमेरिका भारत के एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर में अपनी शर्तों के साथ एंट्री चाहता है। कई दौरों की मीटिंग के बाद भारत इस पर तैयार नहीं है। भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर आज, यानी 7 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। वहीं 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। इससे भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे। उनकी मांग कम हो सकती है। वहां के इंपोर्टर्स अन्य देशों से सामान मंगा सकते हैं।

एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर पर मतभेद, 5 पॉइंट

■अमेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स (जैसे दूध, पनीर, घी आदि) को भारत में आयात की अनुमति मिले। अमेरिकी कंपनियां दावा करती हैं कि उनका दूध स्वच्छ और गुणवत्ता वाला है और भारतीय बाजार में सस्ता भी पड़ सकता है।

■भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

■भारत में ज्यादातर लोग शुद्ध शाकाहारी दूध उत्पाद चाहते हैं, जबकि अमेरिका में कुछ डेयरी उत्पादों में जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) का इस्तेमाल होता है। भारत की शर्त है कि ये शाकाहारी हो।

■इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि गेहूं, चावल, सोयाबीन, मक्का और फलों जैसे सेब, अंगूर आदि को भारत के बाजार में कम टैक्स पर बेचा जा सके। वह चाहता है कि भारत अपनी इम्पोर्ट ड्यूटी को कम करे।

■इसके अलावा, अमेरिका जैव-प्रौद्योगिकी फसलों को भी भारत में बेचने की कोशिश करता रहा है, लेकिन भारत की सरकार और किसान संगठन इसका कड़ा विरोध करते हैं।

मोदी की स्पीच की 3 बड़ी बातें, कहा- हमने किसानों को आत्मबल दिया

स्वामीनाथन ने देश की खाद्य सुरक्षा को जीवन का ध्येय बनाया- कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका योगदान किसी एक युग या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होता। प्रो एमएस स्वामीनाथन ऐसे ही एक महान वैज्ञानिक थे। उन्होंने विज्ञान को जनसेवा का माध्यम बनाया। स्वामीनाथन ने देश की खाद्य सुरक्षा को अपने जीवन का ध्येय बनाया। उन्होंने एक ऐसी चेतना जागृत की जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक भारत की नीतियों और प्राथमिकताओं का मार्गदर्शन करती रहेगी। स्वामीनाथन ने मार्गदर्शन किया- स्वामीनाथन के साथ मेरा जुड़ाव कई सालों पुराना है। बहुत से लोग गुजरात की पुरानी परिस्थितियों से परिचित हैं। पहले सूखे और चक्रवातों के कारण कृषि को काफी संकट का सामना करना पड़ता था और कच्छ में रेगिस्तान का विस्तार हो रहा था। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब हमने मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर काम शुरू किया था। प्रो. स्वामीनाथन ने इसमें काफी रुचि दिखाई, उन्होंने खुलकर हमें सुझाव दिए और हमारा मार्गदर्शन किया। उनके योगदान के कारण इस पहल को जबरदस्त सफलता मिली। किसानों के हित के लिए कई योजनाएं- पीएम किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सीधी सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है। सिंचाई से जुड़ी समस्याओं को पीएम कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से दूर किया गया है। 10 हजार के निर्माण ने छोटे किसानों की संगठित शक्ति बढ़ाई है। द्र-द्धरू की वजह से किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी हुई है। टैरिफ पर 6 दौर की बात, अमेरिकी दल बात करने 24 अगस्त को आएगा ट्रम्प ने भले भारत पर 50त्न टैरिफ लगाया हो, पर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत जारी है। अमेरिकी दल छठे दौर की बातचीत के लिए 24 अगस्त को भारत आएगा। डील पर अमेरिका भी चिंता में है।

राहुल का वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप: भाजपा नेता बोले-कांग्रेस सांसद ने सारी हदें पार की; खड़गे ने कहा-ईसी सरकार का नुमाइंदा

न्यूज क्राइम फाइल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इस दौरान उन्होंने कई कर्नाटक, तमिलनाडु और हरियाणा में चुनाव आयोग पर बीजेपी के साथ देने का दावा भी किया। इसको लेकर राहुल ने दिल्ली के इंदिरा भवन ने 1 घंटे 11 मिनट के प्रजेंटेशन दिया। अब इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल के बयानों को गैर-जिम्मेदाराना बताया और कहा कि वो एक संवैधानिक संस्था पर शर्मनाक टिप्पणी कर रहे हैं, उन्होंने सारी हदें पार कर दी है। वहीं, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी हार्ड डिस्क करप्ट हो गई है। इधर,कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले ECI जबाव देता था, आज जब कोई ECI से सवाल पूछता है तो वो जवाब नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के नुमाइंदे की तरह उलटे इल्जाम लगाता है, विपक्षी पार्टियों की मांगों पर गौर किये बिना केवल अनर्गल बयानबाजी करता है। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने भी राहुल का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि भाजपा वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करके ही चुनाव जीतती है। राहुल ने

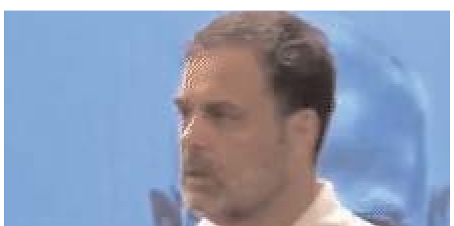

डेटा के साथ इसे रखा है। सीपीआई सांसद पी. संतोश कुमार ने कहा कि राहुल गांधी के आरोप पूरे विपक्ष की ओर से हैं। चुनाव आयोग भाजपा को सपोर्ट कर रहा है।

राहुल के आरोपों पर नेताओं की बयानबाजी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे: एक वक्त था जब भारत के चुनाव आयोग की वाहवाही पूरे विश्व में होती थी। कितने ही देश हमारे चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव करवाने करने की ट्रेनिंग लेते थे। जब कोई राजनीतिक दल चुनाव आयोग से सवाल पूछता था वो संविधान की मर्यादा के दायरे में उसका जवाब या स्पष्टीकरण देते थे। उन्होंने कहा, आज जब कोई श्वष्टद्ब से सवाल पूछता है तो वो जवाब नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के नुमाइंदे की तरह उलटे इल्जाम लगाता है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623